पाठ 2. मनकू ने खाए आलूबुखारे

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को झूठ न बोलने की सीख देना है। इस पाठ के माध्यम से बच्चे समझ पाएँगे कि उन्हें अपने माता-पिता की बातें माननी चाहिए तथ बिना पूछे कोई भी चीज़ नहीं लेनी चाहिए। अगर कोई गलती या भूल हो जाती है तो उन्हें अपनी गलती मानकर सुध ार कर लेना चाहिए।

कविता का सारांश

मनकू और गुड़िया दो बच्चे हैं। उनकी माँ ने बाज़ार से आलूबुखारे खरीदे। उन्होंने आलूबुखारों को धोकर एक टोकरी में रख दिया। जब दोनों बच्चे स्कूल से आए तो माँ ने कहा कि सभी खाना खाकर आलूबुखारों का आनंद लेंगे। पर मनकू को सब्र नहीं रहा। जब कमरे में कोई नहीं था तब मनकू ने टोकरी से दो आलूबुखारे लेकर खा लिए। खाना खाने के बाद जब माँ सभी को आलूबुखारा देने लगीं तो उन्हें वे कम लगे। फिर पिता जी ने बच्चों से पूछा, "बच्चों, क्या तुममें से किसी ने आलूबुखारे खाए है?" दोनों बच्चों ने मना कर दिया। पिता जी ने कहा, "अगर किसी को खाने का ढंग न आता हो और वह आलूबुखारे की गुठली निगल जाए तो उसके पेट में से पेड़ निकल आता है।" यह बात सुनकर मनकू ने स्वीकार कर लिया कि उसने आलूबुखारा खाया था। उसके बाद पिता जी ने उसे समझाया कि बिना पूछे कोई चीज़ लेना और झूठ बोलना गलत बात होती है। गुड़िया ने पिता जी से पूछा, "क्या सच में पेट से पेड़ निकल आता है?" यह सुनकर सब हँसने लगे और माँ मनकू को आलूबुखारे खिलाने लगीं।

अध्यापन संकेत

पाठ पढ़ाने से पूर्व **पहले पहल** में दी गई गतिविधि बच्चों से करवाएँ तथा पाठ की पृष्ठभूमि से संबंधित चर्चा करें। बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने आलूबुखारा खाया है? इसका स्वाद कैसा है? क्या उन्होंने कभी कोई झूठ बोला है? क्या कभी गलती हो जाने पर उन्होंने माफ़ी माँगी है? अब पाठ का वाचन करें और बच्चों से ध्यान से सुनने के लिए कहें। बीच-बीच में पाठ से संबंधित प्रश्न पूछते रहें ताकि रोचकता बनी रहे।

बच्चों से पूछिए एवं उन्हें समझाएँ–

- उन्हें क्या-क्या खाने की चीज़ें पसंद हैं?
- उनकी माँ उन्हें किन कामों को करने के लिए मना करती हैं?
- बड़ों की बातें माननी चाहिए।
- बिना पूछे कोई चीज़ नहीं लेनी चाहिए।
- झूठ नहीं बोलना चाहिए।
- गलती होने पर गलती मान लेना एक अच्छी आदत है।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।